हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, सोमवार 9 जून 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

14 जून को गौतम खट्टर का हो रहा मण्डला आगमन

मण्डला। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गौतम खट्टर का 14 जून को मंडला आगमन हो रहा है। यहां पर वे एक सभा को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम की तैयारी अंतिम चरण में बताई जा रही है समाजिक कार्यकर्ता अजय वंशकार ने बताया कि गौतम खट्टर अंर्तराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त हिन्दू विचार धारा के कार्यकर्ता है जिनके औजस्वी उद्बोधन पूरे देश में चर्चा में बनें रहते हैं। इने हम यूट्यूब फैसबुक इंस्टाग्राम या अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सुनते आए हैं ऐसे ओजस्वी तेजस्वी वक्ता का 14 जून को मंडला आगमन हर्ष का विषय है। श्रेष्ठ भारत अजेय भारत के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में श्री खट्टर आ रहे हैं। यहां पर उनके अन्य कार्यक्रम भी तैयार किए जा रहे हैं कार्यक्रम स्थल बंधन मैरीज लोन डिंडोरी रोड में किया गया है। जहां पर कार्यक्रम उपरांत जिले के रक्तदाता और समाजसेवियो का सम्मान भी किया जाएगा।

क्या राजनैतिक हस्तक्षेप या अधिकारियों की मिलीभगत से दबी फाइल?

एक साल से ठंडे बस्ते में वार्डनों की नियुक्ति

*** कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावासों में पुराने अधीक्षक।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिले के कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावासों में वार्डनों की नियुक्ति में हो रही लंबी देरी ने विभागीय अधिकारियों और शिक्षा व्यवस्था की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। लगभग 10 माह पूर्व समग्र शिक्षा अभियान (सेकंडरी एजुकेशन) के अंतर्गत जिले के सात विकासखंडों के छात्रावासों में वार्डन पद हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए थे, लेकिन अब तक प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है।

शौर्य भूमि
सुरक्षा के दृष्टिकोण से खतरनाक साबित हो रहे ये घाट
ऐतिहासिक नर्मदा घाटों की अनदेखी क्यों?

पुराने अधीक्षक अब भी कुर्सी पर काबिज

जहां शासन के नियम अनुसार तीन वर्ष से अधिक समय तक एक ही स्थान पर कार्यरत अधीक्षकों को स्थानांतरित किया जाना चाहिए, वहीं जिले में वर्षों से जमे पुराने वार्डन अब भी पद पर बने हुए हैं। सूत्रों का दावा है कि यह देरी राजनीतिक हस्तक्षेप या अधिकारियों की मिलीभगत का परिणाम है, जिससे यह प्रक्रिया ठंडे बस्ते में डाल दी गई है।

अधिकारियों के परस्पर विरोधी बयान

करीब चार-पांच माह पूर्व जब एडीपीसी (रमसा) के जिला शिक्षा अधिकारी एल.एस. मसराम से इस विषय में पूछताछ की गई तो उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया विभागीय आपत्तियों के कारण रुकी हुई है, परंतु फरवरी 2025 तक इसे पूरा कर लिया जाएगा। अब मई बीत जाने के बाद भी कोई प्रगति नहीं होना, संदेह को और गहरा करता है। इसी विषय में डीपीसी समग्र शिक्षा अभियान (सेकंडरी) श्रीमती मुन्नी बरकडे का भी यही कहना था कि भर्ती प्रक्रिया में विलंब हुआ है, लेकिन नए सत्र के पहले इसे पूर्ण किया जाएगा। अब जबकि जून से कक्षाएँ प्रारंभ होने जा रही हैं, नियुक्ति प्रक्रिया अभी भी अधर में लटकी हुई है। दोनों अधिकारियों के परस्पर विरोधी बयानों से विभागीय योजनाओं की अस्पष्टता और निष्क्रियता सामने आती है।

छात्रावास संचालन पर पड़ रहा असर

वार्डन की नियुक्ति में हो रही इस देरी से छात्रावासों के संचालन की गुणवत्ता पर सीधा प्रभाव पड़ रहा है। लंबे समय से कार्यरत वार्डन नई सोच और कार्यशैली अपनाने में असफल रहे हैं, जिससे बालिकाओं की शिक्षा व रहन-सहन पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

नियुक्ति प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने की हो रही मांग

शासन को चाहिए कि वह इस मामले में त्वरित हस्तक्षेप करते हुए वार्डनों की नियुक्ति प्रक्रिया को पारदर्शिता के साथ शीघ्र पूर्ण करे। साथ ही वर्षों से जमे पुराने वार्डनों को नियमानुसार हटाया जाए, ताकि छात्रावासों के संचालन में नया दृष्टिकोण लाया जा सके और छात्राओं के भविष्य को बेहतर बनाया जा सके।

इनका कहना है:-

आगामी स्थाई शिक्षा समिति की बैठक मे यह मामला रखकर कर निष्कर्ष निकलते हुए, जून तक छात्रावासों मे नयी अधीक्षिकाओं की नियुक्तियों को फाईनल रूप दिया जावेगा।

इंजी. कमलेश तेकाम
उपाध्यक्ष एवं अध्यक्ष शिक्षा समिति जिला पंचायत, मण्डला

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिछिया में आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

बिछिया के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में 8 जून दिन रविवार को निःशुल्क स्वास्थ्य एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर का आयोजन स्वामी सीताराम जी महाराज ट्रस्ट, योगिराज हॉस्पिटल मंडला, सहयोगी संस्था बालको मेडिकल सेंटर रायपुर, सिकल केयर सेंटर बिलासपुर, बिछिया के सहयोग चिकित्सीय परामर्श के आधार पर आयोजित किया गया विधायक नारायण सिंह पट्टा नैनपुर से समाज सेवी सत्यनारण खंडेलवाल, ओर उनकी टीम, प्रदीप गोस्वामी , वरिष्ठ समाजसेवी राजेंद्र साहू, सुनील गर्ग सहित सभी समाजसेवी बंधुओं के सहयोग से सम्पन्न हुआ। शिविर में सिकल सेल एनीमिया, कैंसर रोग, हड्डी रोग, स्त्री रोग, त्वचा रोग सहित अन्य कई बीमारियों के विशेषज्ञ डॉक्टर्स की टीम उपस्थित रही और सैकड़ों लोगों को निःशुल्क उपचार एवं परामर्श दिया गया। उपलब्धता अनुसार निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गई । शिविर में शुगर, थायराइड, x-ray, ब्लड प्रेशर एवं अन्य कई जांचे निःशुल्क की जाकर मरीजों को परामर्श दिया गया। शिविर में मरीजों के लिए निःशुल्क भोजन की व्यवस्था भी की गई थी।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा, सत्यनारायण खंडेलवाल, कमल जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश तिवारी, स्वामी सीताराम जी महाराज ट्रस्ट, योगिराज हॉस्पिटल, बालको अस्पताल, सिकल केयर सेंटर बिलासपुर, बिछिया हॉस्पिटल स्टाफ की समस्त टीम और आयोजक टीम द्वारा विशेष सहयोग प्रदान किया गया। शिविर में डॉक्टर प्रदीप सिहारे, डॉक्टर गौरव गुप्ता, डॉक्टर नीलेश जैन, डॉक्टर वाय एस परिहार, डॉक्टर शुभम अकरे, डॉक्टर विभव कौशिक ,डॉक्टर अशोक मर्सकोले, डॉक्टर डोली चौधरी, डॉ मनीष वर्मा, डॉक्टर सुभाष कुमार, डॉ अनूप कुमार भारतीय, डॉक्टर मुकेश झरिया सहित अन्य कई डॉक्टर शामिल रहे जिन्होंने निःशुल्क रूप से सैकड़ो मरीजों का इलाज किया और चिकित्सकीय परामर्श दिया। शिविर के आयोजन को लेकर विधायक नारायण सिंह पट्टा ने कहा कि निःशुल्क जांच एवं चिकित्सा सहायता शिविर में आए सभी चिकित्सक एवं मेडिकल स्टाफ का मैं बहुत बहुत धन्यवाद देता हूं और चिकित्सा शिविर के माध्यम से सैकड़ों लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श एवं लाभ मिला है। हम आगे भी प्रयास करेंगे कि ऐसे चिकित्सा शिविर और अन्य मानव सेवा के कार्यों का आयोजन होता रहे।

उक्त शिविर में वरिष्ठ नागरिक जोश सिंह ठाकुर, पूर्व मंडी अध्यक्ष शिवानंद गोस्वामी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रदीप गोस्वामी, राजेंद्र साहू, सुनील गर्ग नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमति रजनी मरावी उपाध्यक्ष रणधीर राजपूत, समीर राठौर, विकास पांडे, शशांक गोस्वामी, झुन्ना ठाकुर, टेकराम राय,अक्षत झरिया, अमन राजपूत सहित कई समाजसेवी बंधु उपस्थित रहे।

जल चौपाल के माध्यम से खैरी पंचायत के ऐतिहासिक तालाब का हो रहा पुनर्जीवन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जल संरक्षण की दिशा में खैरी पंचायत के समाजसेवियों और प्रशासन की पहल से एक सौ वर्षों से अधिक पुराने ऐतिहासिक तालाब का पुनर्जीवन कार्य प्रारंभ हो चुका है। एक समय था जब यह तालाब न केवल खैरी बल्कि आसपास के ग्रामवासियों के लिए पेयजल, पशुओं के पानी और स्नान का प्रमुख स्रोत हुआ करता था। इस जलस्रोत के कारण क्षेत्र के कुएं और बोरवेल भी भरपूर जल से लबालब रहते थे। लेकिन विगत कुछ वर्षों से यह तालाब उपेक्षा, अतिक्रमण और कचरा फेंकने का स्थान बन चुका था, जिससे इसका अस्तित्व संकट में आ गया था। लगातार गिरते जलस्तर को देखते हुए समाजसेवियों ने इस गंभीर स्थिति को सबके संज्ञान में लाया और जनभागीदारी से इसके जीर्णोद्धार का संकल्प लिया गया।

अब यह तालाब 'जल चौपाल' अभियान के अंतर्गत पुनः जनचेतना का केंद्र बन रहा है। श्रमदान के माध्यम से ग्रामवासी और प्रशासनिक प्रतिनिधि इसमें प्रतिदिन योगदान दे रहे हैं। इस प्रयास में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम ने ग्रामवासियों को आश्वस्त किया है कि आपके सहयोग से आपने वाले समय में इसको और सुंदर बनाया जाएगा। जनपद सदस्य श्री सोनू भलावी ने कहा कि सभी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करे और श्रमदान में भाग ले । इसके अलावा सरपंच श्रीमती सीमा गोटिया, पंचगण, नर्मदा समग्र के कार्यकर्ता श्री श्याम श्रीवास, श्री नीलेश कटारे, वरिष्ठ समाजसेवी श्री रवि पटेल, श्री भूरेलाल पटेल, श्री छवि पटेल, श्री राजेश पटेल, श्री रूपेश, श्रीमती लता, रोशनी, कुंती, सरोज, सुखमणि, रामबती, योगेश, दुर्गेश, बंटी, बबाल, मनोज सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

यह प्रयास केवल एक तालाब का जीर्णोद्धार नहीं, बल्कि जल संस्कृति की पुनर्स्थापना की मिसाल बन रहा है। आने वाली पीढ़ियों के लिए यह कार्य जल संरक्षण की प्रेरणा देगा।

सरपंच पर उपसरपंच को पीटने के लग रहे आरोप

कथित पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया में हो रहा वायरल

मण्डला। महिला सरपंच ममता मरकाम द्वारा उपसरपंच शिवप्रकाश ठाकुर को चप्पल से पीटने की कोशिश का वीडियो सोशल मीडिया में खूब वायरल हो रहा है। वीडियो 2 दिन पुराना ओर बिछिया जनपद की ग्राम पंचायत ककैया का बताया जा रहा है। बताया जाता है कि महिला सरपंच ओर ग्राम के उपसरपंच के बीच बीते कई दिनों से विवाद चल रहा है। इन दोनों के विवादों के चलते ग्राम के अनेक काम प्रभावित हो रहे है। विवाद की वजह पंचायत के कार्यों में सरपंच के पति की दखलंदाजी बताई जा रही है। उप सरपंच ओर सरपंच के बीच लगतार शिकवा शिकायतों का दौर चल रहा है। विभिन्न विभागों में दोनो एक दूसरे की शिकायत करते रहते है जिससे ग्राम का विकास प्रभावित हो रहा है और ग्रामीण परेशान है । इसी विवाद के चलते बीते शुक्रवार को जब उपसरपंच नाई की दुकान में सेविंग करा रहा था उसी दौरान सरपंच ओर सरपंच पति चप्पल लेकर उपसरपंच को पीटने पहुंचे जंहा किसी स्थानीय व्यक्ति ने घटना का वीडियो बना लिया जो अब सौशल मीडिया में वायरल हो रहा है।

अव्यवस्था | **ज्ञापन दे देकर परेशान लोग अब करेंगे चक्का जाम?**

अव्यवस्थित यातायात से आक्रोशित जनता

*** काफी समय से परेशान हैं स्थानीय लोग।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/बम्हनीबंजर

बम्हनीबंजर की जनता यातायात और बाजार में फैली अव्यवस्था से त्रस्त हैं जिसके चलते प्रशासन की लचर व्यवस्था से परेशान होकर जनता सोशल मीडिया पर जमकर अपनी भड़ास निकाल रहें हैं। गुस्साए लोगों ने तो चक्काजाम करने का तक मन बना लिया है, तो कुछ लोगों का कहना है कि प्रशासन को कई बार ज्ञापन सौंपकर नगर में हो रही समस्या से अवगत कराया किन्तु आजतक समस्या का समाधान नहीं हुआ है, यह प्रशासनिक अधिकारियों की लापरवाही है जिसका खामियाजा जनता को भुगतान करना पड़ रहा है। जिससे आक्रोशित लोग सुबह होने के इंतजार में हैं। वहीं अब देखा जायेगा कि नगर हित में जनता किस मूड में सोमवार को उतरेगी। एक बार फिर ज्ञापन सौंपकर प्रशासन को अल्टीमेटम दिया जायेगा या फिर सीधे रोड पर उतरेगी?

जानकारी के अनुसार बम्हनी नगर व्यस्ततम इलाका है यहां आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से लोग बम्हनी समान खरीदारी करने के लिए पहुँचते है। लेकिन नगर में व्यवस्थाओं के नाम पर सब कुछ चौपट है। नियमों का पालन तो कोई नहीं करता और न ही कोई पालन करवाता है। आलम यह कि लोग अपना वाहन सड़क पर जहां चाहे वहां खड़ी कर देते हैं। वहीं हाल व्यापारियों का भी है, दुकानदार सामान सड़क पर रखकर अपना व्यापार कर रहें हैं। वहीं नगर में सब्जी मंडी तो है किन्तु वह भी शो-पीस बनी हुई है। दुकानदार सड़क पर सब्जी की दुकाने लगा रहें हैं, जिससे लोगों को आवाजाही करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन नगरीय प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है जिससे नगर की जनता काफी आक्रोशित है।

शिकायतों और बैठकों के बाद भी नहीं सुधर रही व्यवस्था

कई बार अतिक्रमण हटाने व जाम की समस्या से निजात पाने के लिए जागरूक नागरिकों द्वारा प्रशासन की शिकायत किए हैं। लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिससे समस्या जस को तस है। बताया गया है कि नगर परिषद में अधिकारी व जनप्रतिनिधियों की बैठकें भी हुई हैं, लेकिन वह बैठके सिर्फ बैठकों तक ही सीमित रह गई। धरातल पर कोई भी कार्य योजना नहीं उतर सका।

महिष्मती घाट में संस्कृति चौकी की उठी मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

अपार श्रद्धा और भक्ति से निर्मित माहिष्मती घाट, जो धार्मिक पूजा-पाठ एवं स्नान आदि जैसे पवित्र कार्यों के लिए जाना जाता है, आजकल अपनी मूल पहचान से भटकता नजर आ रहा है। भारी राशि खर्च कर बनाए गए इस घाट का उपयोग इन दिनों वाहनों की धुलाई के लिए किया जा रहा है। यह दृश्य न केवल आस्था के साथ खिलवाड़ है, बल्कि घाट की गरिमा को भी ठेस पहुंचा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, घाट के एक निश्चित क्षेत्र को माहिष्मती घाट के नाम से चिन्हित किया गया है, लेकिन पूरे परिसर को इसी नाम से पहचाना जा रहा है। फिलहाल घाट के दो हिस्सों में, विशेषकर वनस्पति क्षेत्र के पास, लगातार गाड़ियों की धुलाई देखी जा सकती है। फोटो और प्रत्यक्षदर्शी नागरिकों के अनुसार, यह स्थिति लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी मौन हैं।

चौंकाने वाली बात यह है कि घाट निर्माण पर बड़ी राशि खर्च होने के बावजूद सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था पूरी तरह से नदारद है। कोई गार्ड, कोई चेतावनी बोर्ड या नियंत्रण व्यवस्था नहीं दिखती। घाट पर कोई प्रवेश प्रतिबंध भी लागू नहीं है, जिससे कोई भी व्यक्ति गाड़ी लेकर आसानी से घाट क्षेत्र में प्रवेश कर सकता है।

स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं का कहना है कि यह स्थान पूजा, हवन, अर्चना और धार्मिक आयोजनों के लिए बना है, लेकिन यहां इस प्रकार की गतिविधियों से न केवल धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं, बल्कि घाट की संरचना को भी नुकसान पहुंचता है।

लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि माहिष्मती घाट की पवित्रता बनाए रखने के लिए कठोर कदम उठाए जाएं, गाड़ियों की धुलाई पर तत्काल रोक लगाई जाए और सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए, ताकि यह पवित्र स्थल अपनी गरिमा के अनुरूप सुरक्षित और संरक्षित रह सके।

गाडरवारा को जिला बनाने की मांग को कांग्रेस द्वारा किया जा चुका है नजरअंदाज, यदि आज मुख्यमंत्री घोषणा करते हैं तो क्षेत्र के विधायक व भाजपा के खाते में गिनी जा सकती है बड़ी सौगात..?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय गाडरवारा की भौगोलिक स्थिति व लगातार गाडरवारा क्षेत्र का हो रहा विकास के ध्यान में रखते हुये क्षेत्रवासियों द्वारा गाडरवारा को जिला बनाने के लिये सिर्फ मांग ही नही बल्कि एक मुहिम छेड़ दी गई है। क्योंकि कुछ साल पहले क्षेत्र की तत्कालीन विधायक श्रीसुनीता पटैल के विधायक बनने के बाद उनके द्वारा गाडरवारा को जिला बनाने के लिये प्रयास करने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी और इसी के चलते वह गाडरवारा को जिला के रूप में देखने की सोच को अपने अंजाम तक पहुंचाने के लिये प्रयासरत दिखाई रही थी? इसी के चलते वर्ष 2019 में स्थानीय नगर पालिका सहित आसपास के नगर परिषदो सहित ग्राम पंचायतों जनपद पंचायातों द्वारा बैठकों का आयोजन करते हुये प्रस्ताव पास करते हुये गाडरवारा को जिला बनाने की मांग उठाई गई थी। वही दूसरी ओर वर्ष 2019 में इस बात को लेकर जहां तत्कालीन विधायक श्रीमति पटैल द्वारा स्वतंत्रा दिवस के मौके पर शुभकामनाओं के साथ क्षेत्र के जनता को गाडरवारा जिला बनाने का संदेश देते हुये प्रस्ताव पास कराने की बात कही गई थी। वही दूसरी ओर जब कांग्रेस सरकार प्रदेश की सत्ता में आई और प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में कमलनाथ का जिले में प्रथम आगमन जिला मुख्यालय पर हुआ था तो उस समय तत्कालीन विधायक श्रीमति सुनीता पटैल द्वारा गाडरवारा को जिला बनाने के लिये मांग पत्र सौपा गया था..? मगर उस मांग पत्र को शायद जिले में बैठे हुये कुछ नेताओं की गाडरवारा को जिला के रूप में देखने की कुदृष्टि कही जावे या फिर 15 माह तक प्रदेश में शासन करने वाली कांग्रेस सरकार इस मांग को नजर अंदाज किये जाने का परिणाम जिसके चलते इस मांग पर ग्रहण लगा हुआ दिखाई दे रहा है? वही दूसरी ओर अब क्षेत्रवासियों उस समय आस जागी हुई थी जब 21 जुलाई 2023 प्रदेश की सत्ता में रहने वाले तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का मुख्यमंत्री के रूप में गाडरवारा अंतिम आगमन हुआ था उस दौरान लग रहा था कि शायद अब गाडरवारा को जिला बनाने की घोषणा हो सुकती है। मगर उस समय भी नगरवासियों के सपने पूर्ण नही हो पाये थें। अब प्रदेश की बागडोर संभालने वाले मुख्यमंत्री डा मोहन यादव का नगर में पहलीवार आगमन होने से गाडरवारा को जिला बनाये जाने की मांग फिर जोर पड़कते हुये देखी जाने लगी है। क्योंकि यह मांग कोई नई नही है। इस मांग को लेकर पूर्व में अनेक समाजसेवी संस्थाओं से लेकर नगरवासियों द्वारा लगाता मुहिम चलाई जा रही है। वही दूसरी ओर क्षेत्रवासियों द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री तथा क्षेत्र के लाडले विधायक व प्रदेश के शिक्षा व परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह से मांग की जा रही है कि मुख्यमंत्री डा यादव के गाडरवारा आगमन पर गाडरवारा को जिला बनाने की घोषणा की ओर ध्यान आकर्षित कराया जावे। क्योंकि इस मांग को कांग्रेस द्वारा वर्ष 2019 में नजर अदांज किय जाने के बाद यदि प्रदेश के मुख्यमंत्री गाडरवारा को जिला बनाने की घोषणा करते है तो निश्चित तौर से गाडवारा के साथ साथ भाजपा के खाते में एक बड़ी सौगत जुडने से नही चूक पायेगी...? गौर किया जावे तो गाडरवारा को जिला बनने की भौगौलिक स्थिति पर नजर डाली जावे तो रायसेन जिले के उदयपुरा तहसील तथा होशंगाबाद जिले की बनखेड़ी तहसील के आलवा तेंदूखेड़ा, गाडरवारा, चीचली, सालीचौका के आलवा छिंदवाडा जले के कुछ हिस्से को जोड़कर बनाया जा सकता है। क्योंकि उदयपुरा तहसील के लोगों को जला मुख्यालय रायसेन काफी दूर पड़ता है। इसी प्रकार से बनखेडी तहसील के लोगों को जिला मुख्यालय होशंगाबाद काफी दूर है तो दूसरी ओर छिंदवाडा जिले का ग्रोटीटोरियों से लगा हुआ भाग भी जला मुख्यालय से काफी दूर है जन्हे छिंदवाडा आने जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस स्थिति में यदि गाडरवारा जिला बनता है तो उन्हें लाभ मिल सकता है और वह गाडरवारा आसानी से आ जा सकते है। इसी प्रकार से तेंदूखेडा क्षेत्र की दूरी नरसिंहपुर की अपेक्षा गाडरवारा से बहुत कम है। इस स्थिति में गाडरवारा जिला घोषित होता है तो निश्चित आसपास के अन्य जिलों की तहसीलों क्षेत्रों में लोगों को फायदा मिलने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री के गाडरवारा आगमन की तैयारियाँ पूर्णः क्षेत्र के विधायक व प्रदेश के मंत्री उदय प्रताप ने किया आयोजन स्थल का निरीक्षण, अधिकारियों को दिये जरूरी निर्देश

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के गाडरवारा शहर में प्रथम आगमन को लेकर शहर को पूर्णरूप से नई नबेली दुल्हन की तरह सजाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। बताया जाता है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव यहां आज सोमवार 9 जून को प्रातः 11.40 बजे हैलीकॉप्टर द्वारा स्टेट हैंगर भोपाल से प्रस्थान करेंगे और दोपहर 12.20 बजे गाडरवारा में बनाये गये हैलीपेड आयेंगे। वे यहां स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री नगर के रूद्र मैदान पर पहुंचने पर जहां क्षेत्र के विधायक व प्रदेश के शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह द्वारा उनका भव्य स्वागत किया जावेगा। वही आयोजित उत्कृष्ट शिक्षकों एवं मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान कार्यक्रम के आलवा वह करोड़ो की राशि के निर्माण कार्यो के लिये आधार शिला रखने के साथ पूर्ण हो चुके निर्माण कार्यो को लोकापर्ण करेगे। इस प्रकार मुख्यमंत्री के गाडरवारा प्रथम आगमन की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। इस दौरान परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह सहित कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले व पुलिस अधीक्षक ने यहाँ कि तैयारियों का जायजा लिया। बताया जाता है कि इस दौरान मंत्री सिंह ने यहां परिवहन व्यवस्था, सुरक्षा बेरीकेटिंग व्यवस्था, विद्युत व्यवस्था, मीडिया गैलरी,एम्बुलेंस एवं चिकित्सा व्यवस्था, मंच एवं बैठक व्यवस्था, ग्रीन रूम, प्रदर्शनी स्थल, भूमिपूजन व लोकार्पण के आलवा सम्पूर्ण साफ- सफाई, शौचालय एवं फायर बिग्रेड व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था, कन्या पूजन एवं अन्य, माइक साउंड व्यवस्था, फूलमाला व्यवस्था, मंच व्यवस्था आदि को देखा और आवश्यक निर्देश दिये। इस दौरान मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर फाइनल रिहर्सल भी की गई। इसके पहले कलेक्टर ने हेलीपेड स्वागत व्यवस्था, एक पेड़ माँ के नाम पौधारोपण, कानून व्यवस्था का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा आज संपूर्ण जिले के 80.46 करोड़ रुपये के 135 निर्माण कार्यों का करेंगे लोकार्पण व भूमिपूजन किया जावेगा। जिसमें मुख्य रूप से जिनका लोकापर्ण होना है। जिसमें मुख्य रूप से गाडरवारा क्षेत्र के तेंदूखेडा विधान सभा क्षेत्र के चांवरपाठा ब्लॉक के अंतर्गत मड़ेसुर में 12.59 लाख रुपये, इमझिरा में 27.81 लाख रुपये, गुनवे में 8.52 लाख रुपये, कोठिया में 42.12 लाख रुपये, लिलवानी में 46.8 लाख रुपये, बंधा में 35.93 लाख रुपये, इमलिया में 23.29 लाख रुपये, गंगाई में 25.9 लाख रुपये, टेकापार में 20.73 लाख रुपये, खैरीकला में 46.98 लाख रुपये, लिंगा में 42.42 लाख रुपये, अंडिया में 24.2 लाख रुपये, ग्वारी में 24.7 लाख रुपये, मनकवारा में 43.68 लाख रुपये, मर्रावन में 24.71 लाख रुपये, चिरचिरा में 37.68 लाख रुपये, दुधवारा में 38.61 लाख रुपये, मेहगुवा- निजोर में 40.83 लाख रुपये, जमुनिया में 20.31 लाख रुपये, हर्रई में 54.24 लाख रुपये व निजोर में 25.07 लाख रुपये की नल जल योजना और चीचली ब्लॉक की

पिपरिया में 12.09 लाख रुपये की नल जल योजना का लोकार्पण करेंगे। इसी तरह सांईखेड़ा ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम खकरिया में 11.5 लाख रुपये लागत की सीसी सड़क निर्माण कार्य का लोकार्पण करेंगे। इसी तरह मुख्यमंत्री यादव द्वारा चीचली ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम कान्हरगांव में 23.97 लाख रुपये, कठोतिया में 32.89 लाख रुपये, मेहगुवांकला में 22.19 लाख रुपये व भिलमाढाना 1 में 33.19 लाख रुपये की नल जल योजना, सांईखेड़ा ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले ग्राम खैरी में 18.36 लाख रुपये, बोदरी में 26.71 लाख रुपये, सोकलपुर में 19.42 लाख रुपये, बेलखेड़ी में 13.18 लाख रुपये व बनखेड़ी में 19.47 लाख रुपये की नल जल योजना के कार्यो का लोकार्पण किया जायेगा। मुख्यमंत्री द्वारा 396 लाख रुपये लागत की 8.270 किमी देवरी से बनवारी पिपरिया कलां एमडीआर, सांईखेड़ा ब्लॉक में 12 लाख रुपये की लागत से जांईखेड़ा में सामुदायिक सह पुस्तकालय, 17.62 लाख रुपये की लागत के ग्राम कुड़ारी में भूरा बाई के घर से सेमरा टोला की ओर सीसी सड़क, ग्राम कुड़ारी में 13.78 लाख रुपये लागत की राजेन्द्र पटेल के घर से प्रतीक्षालय की ओर सीसी सड़क, 24.13 लाख रुपये की लागत की ग्राम कुड़ारी- डोंगरगांव में सीसी सड़क तथा चीचली ब्लॉक में 11.22 लाख रुपये की ग्राम पटकुही में आंगनबाड़ी भवन और सांईखेड़ा नगर परिषद की 33 करोड़ 73 लाख रुपये की नलजल योजना सीवरेज का निर्माण कार्यों का लोकार्पण करेंगे। वही करीब 23 करोड़ 88 लाख 24 हजार रुपये के 68 निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया जायेगा। सांईखेड़ा ब्लॉक के अंतर्गत 15 लाख रुपये की लागत के ग्राम बिचुआ में सामुदायिक भवन, 15 लाख रुपये की लागत के ग्राम नर्मदानगर काटजूनगर में सामुदायिक भवन, 15 लाख रुपये की लागत के ग्राम नरवारा में सामुदायिक भवन व 15 लाख रुपये की लागत के ग्राम काटजूनगर में सामुदायिक भवन का भूमिपूजन होगा। इसी तरह चांवरपाठा ब्लॉक के अंतर्गत 15 लाख रुपये के ग्राम करहैया में सामुदायिक भवन, 15 लाख रुपये के ग्राम बिलथारी में सामुदायिक भवन, 15 लाख रुपये के ग्राम करौंदी- कठई में सामुदायिक भवन, 15 लाख रुपये के ग्राम छत्तरपुर में सामुदायिक भवन, 15 लाख रुपये के ग्राम कोठिया में सामुदायिक भवन, 15 लाख रुपये के ग्राम बारहा में सामुदायिक भवन, 15 लाख रुपये के ग्राम नैनवारा में सामुदायिक भवन, 15 लाख रुपये के ग्राम अंडिया में सामुदायिक भवन, 15 लाख रुपये के ग्राम घघरोलाकलां में सामुदायिक भवन, 15 लाख रुपये के ग्राम पदम में सामुदायिक भवन, 15 लाख रुपये के ग्राम नादिया में सामुदायिक भवन, 15 लाख रुपये के ग्राम हेमरा में सामुदायिक भवन, 11.22 लाख रुपये की लागत के ग्राम बिजौरा में आंगनबाड़ी भवन, 11.22 लाख रुपये लागत के ग्राम मनकापुर में आंगनबाड़ी भवन, 11.22 लाख रुपये के ग्राम पीपरपानी में आंगनबाड़ी भवन, 11.22 लाख रुपये के ग्राम भौरा में आंगनबाड़ी भवन, 11.22 लाख रुपये के ग्राम टेकापार में आंगनबाड़ी भवन, 11.22 लाख रुपये के ग्राम गुंदरई में आंगनबाड़ी भवन व 190.73 लाख रुपये लागत के शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला भवन लोलरी का भूमिपूजन करेंगे। ब्लॉक सांईखेड़ा के अंतर्गत 15 लाख रुपये लागत के ग्राम खैरूआ में सामुदायिक भवन, 15 लाख रुपये लागत के ग्राम नीलकुंड में सामुदायिक भवन, 25 लाख रुपये लागत के ग्राम सोकलपुर में सामुदायिक भवन, 11.22 लाख रुपये लागत के ग्राम खैरी में आंगनबाड़ी भवन, 15 लाख रुपये लागत के ग्राम पिटरास में स्वच्छता परिसर एवं टीन शेड, 22.08 लाख रुपये लागत के ग्राम मोहड़ में सघन उप वन की सुरक्षा के लिए फेंसिंग कार्य, 15 लाख रुपये लागत के ग्राम नीलकुंड के पासनीलकुंड में नाली एवं सड़क निर्माण व 10 लाख रुपये लागत के ग्राम खुर्सीपार में सामुदायिक भवन का भूमिपूजन करेंगे। चीचली ब्लॉक के अंतर्गत 12 लाख रुपये लागत के ग्राम ढाना में सामुदायिक भवन और 599 लाख रुपये लागत की 4.26 किमी लम्बाई बम्होरीकला से सुपारी मार्ग का भूमिपूजन करेंगे। इस आयोजन को लेकर प्रशासन द्वारा तैयारिया पूर्ण कर ली गई है। वही पुलिस द्वारा आवश्यकता के अनुसार जो व्यवस्था बनाई गई है उसको लेकर बताया जाता है कि करेली, नरसिंहपुर, तेंदूखेड़ा व राजमार्ग से आने वाले वाहन शक्कर नदी पुल, महाकाल तिराहा, आमगांव नाका होते हुए कृषि उपज मंडी के गेट क्रमांक दो में प्रवेश करेगी। इसी तरह रायसेन, सांईखेड़ा, पिपरिया, सालीचौका व कामती से आने वाले वाहन सोयाबीन प्लांट, जमाड़ा वायपास, चीचली फाटक, चीचली तिराहा होते हुए राज्य बीज निगम परिसर में प्रवेश करेंगे। चीचली, डोंगरगांव व कल्याणपुर से आने वाले वाहन कांच मंदिर, रेलवे क्रासिंग, चीचली तिराहा होते हुए यशोदा नगर गाडरवारा में प्रवेश करेंगे। चार पहिया वाहनों के लिए करेली, नरसिंहपुर, तेंदूखेड़ा व राजमार्ग से आने वाले वाहन शक्कर नदी पुल, महाकाल तिराहा, आमगाँव नाका, छीपा तिराहा होते हुए भवानी टिम्बर शासकीय अस्पताल के सामने पहुंचेंगे। वहीं रायसेन, सांईखेड़ा, पिपरिया व सालीचौका से आने वाले वाहन कामती, सोयाबीन प्लांट, आमगांव नाका, छीपा तिराहा होते हुए भवानी टिम्बर शासकीय अस्पताल के सामने पहुंचेंगे। चीचली डोंगरगाँव कल्याणपुर से आने वाले वाहन काँच मंदिर, रेलवे क्रासिंग, चीचली तिराहा होते हुए यशोदा नगर गाडरवारा में प्रवेश करेंगे। दो पहिया वाहनों के लिए शासकीय पैथोलॉजी लैब के सामने सिविल अस्पताल गाडरवारा पहुंचेंगे। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रकार के मालवाहक, भारी, व्यवसायिक एवं अनुमति प्राप्त वाहन का संचालन गाडरवारा नगर में पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। सभी प्रकार के छोटे दो- तीन एवं चार पहिया वाहन पलोटनगंज, पानी की टंकी, तपोवन स्कूल के पास, पाठक तिराहा तक पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। बताया जाता हे कि कार्यक्रम के दौरान गाडरवारा शहर में मार्ग परिवर्तन किया गया है। नरसिंहपुर से सांईखेड़ा, पिपरिया तरफ जाने वाले तीन एवं चार पहिया वाहन नारगी कल्याणपुर- एनटीपीसी गाडरवारा बायपास होते हुए जायेंगे। तेंदूखेड़ा से गाडरवारा तरफ जाने वाले तीन एवं चार पहिया वाहन उदयपुरा- सांईखेड़ा होते हुए जाएंगे। तेंदूखेड़ा से करेली तरफ जाने वाले तीन एवं चार पहिया वाहन अट्ठाईसा पेट्रोल पंप से कौड़िया होते हुए जाएंगे। इसके अलावा गाडरवारा नगर में चुंगी नाका, नया बस स्टैंड, पुरानी गल्ला मंडी, सराफा, झंडा चौक, पुरानी चौकी, चावड़ी से पाठक तिराहा, शक्ति चौक, शिवालय चौक, पुराना बस स्टैंड तक वाहनों का आवागमन सामान्य रहेगा।

भारत की पहली आधुनिक वाणी स्पीच एंड हियरिंग क्लिनिक का शुभारंभ

संस्कारधानीवासियों को मिलेंगी आधुनिकतम श्रवण स्वास्थ्य सुविधाएं

जबलपुर। जटिल से जटिल श्रवण समस्याओं का निदान अब एक ही छत के नीचे संभव है। संस्कारधानी ही नहीं समूचे भारत की सबसे आधुनिक क्लिनिक का शुभारंभ रविवार शाम को जबलपुर में हुआ। अतिथियों ने कहा कि यह क्लिनिक जबलपुर की शान बनेगा, इसने स्वास्थ्य सुविधाओं की दृष्टि से जबलपुर को महानगरों की श्रेणी में लाकर खड़ा कर दिया है। खास बात ये है कि यहां हर वर्ग स्वास्थ्य लाभ उठा सकता है, शासकीय योजनाओं का लाभ भी इस क्लिनिक के माध्यम से उठाया जा सकता है।वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. केके कौल ने फीता काटकर क्लिनिक का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इसे मध्यभारत का ही नहीं बल्कि समूचे भारत की आधुनिक क्लीनिक कहना गलत नहीं होगा। मेरी आशा है कि संस्कारधानीवासी और आसपास के लोग यहां आकर बेहतर स्वास्थ्य लाभ ले सकेंगे। यहां

एक ही छत के नीचे उन्हें सारी सुविधाएं मिलेंगी। अतिथि विधायक लखन घनघोरिया ने कहा कि यह क्लिनिक जबलपुर के लिए एक बड़ी सौगात है। अतिथि बीजेपी नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, पूर्व महापौर प्रभात साहू की विशेष उपस्थिति रही। रसल चौक, बराट रोड समदड़िया होटल के समीप स्थित क्लिनिक के शुभारंभ अवसर पर वरिष्ठ ऑडियोलॉजिस्ट व स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजिस्ट डॉ. विशाल मेहरा,अविनाश पवार, एमडी एंड सीईओ डब्ल्यू एस ऑडियोलॉजी, किशलय चक्रवर्ती, बिजनेस हेड सिग्निया, अक्षय गुप्ता असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट हिअर डॉट कॉम, मोहन स्वामी हेड ऑडियोलॉजिस्ट डबल्यू ऑडियोलॉजी, प्रोफेसर डॉ. श्रीनिवास दौरासला, ईएनटी सर्जन और प्रख्यात न्यूरोलॉजिस्ट के साथ ग्लोडेट यूनिवर्सिटी की फॉर्मर प्रोफेसर डॉ. संयोक्ता जायसवाल और वाणी स्पीच एंड हियरिंग क्लीनिक की एमडी डॉ सोनल मेहरा मौजूद रहीं।

यदि आज मुख्यमंत्री द्वारा किसानों की मूंग खरीदने की घोषणा नहीं की गई तो कल से अनिश्चितकालीन धरना शुरू- श्रीमति पटैल

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

जहां एक ओर भाजपा द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के प्रथम नगर आगमन को लेकर तैयारियाँ की जा रही है तो दूसरी ओर क्षेत्र के लोगों द्वारा गाडरवारा विकास को लेकर काफी उम्मीदे जताई जा रही है तो दूसरी ओर क्षेत्र के किसानों द्वारा आशा की जा रही है कि शायद उनकी गर्मी सीजन की मूंग फसल को खरीदने की घोषणा जावेगी..? क्योंकि बीते हुये कई सालों से प्रदेश सरकार द्वारा किसानों को खेती की आये बढ़ोत्तरी करने की सोच रखते हुये गर्मी सीजन में पैदा होने वाली मूंग फसल को समर्थन मूल्य पर खरीदा जाता था। मगर इस वर्ष अभी तक न तो मूंग फसल को खरीदने के लिये किसी तरह से कोई एलान किया गया है और न ही किसानों के पंजीयन शुरू किये गये है। इस स्थिति में देखा जावे तो क्षेत्र के किसानों की मूंग फसल पूरी तैयार हो चुकी है और वह ओने पोने दामों में मंडियों में विक्रय करते हुये देखे जा रहे है। व्यापारियों द्वारा जिस दर से मूंग फसल की खरीद की जा रही है उसमें किसानों द्वारा फसल को तैयार करने में लगाई गई लगात भी खड़ी होते हुये दिखाई नही दे रही है। इस तरह अभी तक सरकार द्वारा किसानों की मूंग फसल को

खरीदने के लिये किसी तहर से कोई एलान नही किये जाने की बात को लेकर क्षेत्र की कांग्रेस नेत्री व पूर्व विधायक श्रीमति सुनीता पटैल द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम एक पत्र लिखते हुये अनुविभागीय अधिकारी को सौपते हुये कहा गया है कि यदि आज 9 जून सोमवार को मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव द्वारा गाडरवारा आगमन पर किसानों की मूंग फसल खरीदने की घोषणा नही की जाती है तो कल 10 जून से वह अनिश्चित काल की लिये धरना पर बैठगी। पूर्व विधायक श्रीमति सुनीता पटैल द्वारा लिखे गये पत्र में उल्लेख किया गया है कि जैसा की आपको विदित है इस वर्ष मूंग खरीदी हेतु शासन द्वारा पंजीयन की शुरूआत अभी तक नही हुई है। जिससे किसान चिंतित एवं परेशान है। विभिन्न संगठनों द्वारा लगातार मूंग खरीदने की मांग की जा रही है। मगर इसके बाद भी अभी तक सरकार द्वारा इस संबंध में कोई निर्णय नही लिया गया है। आज सोमवार को गाडरवारा में प्रदेश के मुख्यमंत्री का आगमन हो रहा है। क्षेत्रीय कृषको को भरोसा है कि वह मूंग खरीदी की घोषणा करेगे। मुख्यमंत्री से आग्रह है किसानों की गर्मी सीजन की मूंग फसल खरीदने की घोषणा कर किसानों को राहत प्रदान करे। यदि मुख्यमंत्री द्वारा मूंग खरीदने की आज घोषणा नही की जाती है तो क्षेत्र की आम जनता की मांग अनुसार मैं कल यानि की 10 जून से गाडरवारा मंडी में अनिश्चित कालीन धरने पर बैठूगी जिसकी समस्त जम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। इस तरह पूर्व विधायक श्रीमति सुनीता पटैल द्वारा क्षेत्र के किसानों की मूंग फसल को समर्थन मूल्य पर खरीदने की मांग को लेकर जहां मुख्यमंत्री से घोषणा की गुहार लगाई गई है। वही दूसरी ओर चेतावनी दी गई कि यदि उनके द्वारा घोषणा नही की जाती है तो वह धरने पर बैठेगी।

पुलिस ने बड़े नकली कीटनाशक रैकेट का भंडाफोड़ किया; मुख्य आरोपी गिरफ्तार

विभिन्न राज्यों में छापेमारी में 2 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के नकली कृषि रसायन ज़ब्त

जबलपुर

तेलंगाना पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए राजेंद्र चेचानी को गिरफ्तार किया है - जिसे राजू चेचानी के नाम से भी जाना जाता है, जो बड़े पैमाने पर नकली कीटनाशकों के रैकेट के मुख्य आरोपियों में से एक है। पुलिस ने स्थानीय पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वित अभियान के दौरान 2 मई 2025 को राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के बस्सी गांव स्थित उसके फार्महाउस से उसे गिरफ्तार किया।

यह गिरफ्तारी भारत के कृषि क्षेत्र में नकली कीटनाशकों के बढ़ते खतरे को उजागर करती है, जहाँ भोले-भाले किसानों को अक्सर ऐसे उल्लंघनकर्ताओं द्वारा नकली उत्पादों के साथ धोखा दिया जाता है। ये नकली रसायन, हालांकि असली ब्रांड की तरह पैक किए जाते हैं, लेकिन अक्सर उनके हानिकारक या अप्रभावी अवयवों के कारण फसल को नुकसान पहुंचाते हैं जिसके कारण पैदावार कम होती है। नवीनतम गिरफ्तारी से कई राज्यों में फैली नकली कृषि रसायनों की आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण रूप से बाधा उत्पन्न होने की उम्मीद है। चेचानी पर आरोप है कि वह सात साल से भी ज़्यादा समय से इस तरह का एक जटिल अवैध व्यापार और अवैध नेटवर्क चला रहा है, जो भारत के 11 से ज़्यादा राज्यों में फैले अपने सहयोगियों के जरिए पूरे भारत में नकली कीटनाशकों का निर्माण और वितरण करता है। उसने दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में काम करने वाले सहयोगियों के एक बड़े नेटवर्क के ज़रिए प्रतिष्ठित एग्रोकेमिकल कंपनियों के लेबल वाले नकली उत्पाद सप्लाई किए। जांच में पता चला कि चेचानी की बस्सी में माहेश्वरी बीज एवं कीटनाशक नाम से एक दुकान भी है। वह कथित तौर पर देश भर में विभिन्न उल्लंघनकर्ताओं को पैकेजिंग सामग्री और तैयार नकली उत्पादों का प्रमुख आपूर्तिकर्ता था। यह गिरफ्तारी कीटनाशक अधिनियम के तहत एलबी नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर संख्या 831/2024 से हुई है। जुलाई 2024 में हैदराबाद में एक उल्लंघनकर्ता ई राजेश के गोदाम से नकली कीटनाशकों की खोज के बाद आगे की जांच में कई राज्यों में चेचानी के खिलाफ दर्ज कई आपराधिक मामलों का पता चला है, जो उसके ऑपरेशन की व्यापक पहुंच और बार-बार किए गए अपराधों को उजागर करता है।

जोशुआ पीटर को सौंपी गई करंजिया जनपद पंचायत की कमान

डिंडौरी । मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रदेशभर में किए गए व्यापक प्रशासनिक फेरबदल के तहत जोशुआ पीटर को डिंडौरी जिले के करंजिया जनपद पंचायत का नया मुख्य कार्यपालन अधिकारी सीईओ नियुक्त किया गया है।जोशुआ पीटर वर्तमान में मंडला जिले के पोषण आहार संयंत्र में पदस्थ थे। उन्हें प्रशासनिक आधार पर जारी स्थानांतरण आदेश के माध्यम से यह नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी आदेश के तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों में कुल 23 जनपद पंचायत अधिकारियों की नई पदस्थापना की गई है। डिंडौरी जिले में इस बदलाव को विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में एक सकारात्मक पहल के रूप में देखा जा रहा है। प्रशासनिक हलकों में जोशुआ पीटर की नियुक्ति को लेकर उत्साह का माहौल है। उन्हें एक अनुभवी, सजग और कुशल प्रशासनिक अधिकारी के तौर पर जाना जाता है। स्थानीय स्तर पर उम्मीद जताई जा रही है कि उनके नेतृत्व में करंजिया जनपद पंचायत के विकास कार्यों को नई गति और दिशा मिलेगी। स्थानांतरण आदेश में स्पष्ट किया गया है कि सभी संबंधित अधिकारियों को आदेश जारी होने के सात दिनों के भीतर नए स्थान पर कार्यभार ग्रहण करना अनिवार्य होगा। निर्धारित समय सीमा में कार्यभार न संभालने की स्थिति में इसे अनुशासनहीनता की श्रेणी में माना जाएगा।

बेलगाम हाइवा ने बैल को मारी टक्कर

बजाग। बिलाईखार से विक्रमपुर मार्ग पर लगभग चार बजे एक तेज रफ्तार हाइवा वाहन ने रास्ते में खड़े एक बैल को टक्कर मार दी जिससे बैल की मौके पर ही मौत हो गई।घटना के कुछ देर तक वाहन मौके पर ही खड़ा रहा । तथा पशु मालिक को हुए नुकसान की भरपाई का आश्वाशन देने की बात कहकर चालक वहां से वाहन लेकर चलता बना।प्राप्त जानकारी के अनुसार देर शाम तक पशु मालिक को कोई भी नुकसान की राशि वाहन मालिक द्वारा नहीं दी गई है। जिससे पशु मालिक में असंतोष है।घटना के अनुसार हाइवा वाहन क्रमांक cg 31 b 9059 लीला टोला से गिट्टी भरकर विक्रमपुर सड़क निर्माण स्थल तक आया था जिसके बाद वह वाहन की खाली करके बिलाई खार की ओर वापस जा रहा था।तभी रास्ते में विक्रमपुर निवासी गोपाल बनवासी के बैल को टक्कर मारने से बैल की मौत हो गई। पशु मालिक ने बताया कि में खेती किसानी और मजदुरी करता हु कृषि कार्य के लिए बैल मेरा सहारा था जो कि वाहन की चपेट में आ जाने से उसकी मौत हो गई है। जिससे मुझे अब कृषि कार्य करने में समस्या होगी ।वाहन मालिक के कहने पर चालक आश्वाशन देकर चला गया है तथा अभी तक कोई भी सहायता नहीं दी गई है।

पार्षद राजेश पाराशर के नेतृत्व में चलाया जा रहा अभियान, स्थानीय नागरिक भी कर रहे सहयोग

नर्मदा नदी को स्वच्छ बनाने की पहलः घाट में सफाई अभियान जारी

नगर परिषद डिंडोरी के डेम घाट क्षेत्र में इन दिनों विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। नगर परिषद पार्षद राजेश पाराशर के नेतृत्व में इस अभियान के तहत नर्मदा नदी के तट एवं घाट क्षेत्र में जमा मिट्टी, पत्थर, काँच के टुकड़े एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों की सफाई की जा रही है।

हरिभूमि न्यूज, डिंडौरी ।

अभियान के दौरान जेसीबी मशीन एवं अन्य संसाधनों का उपयोग करते हुए नदी के बहाव को स्वच्छ एवं अवरोधमुक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। पार्षद राजेश पाराशर ने बताया कि नर्मदा हमारी सांस्कृतिक एवं धार्मिक पहचान का प्रतीक है। इसकी स्वच्छता के प्रति हम सभी की जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य से डेम्प घाट पर यह विशेष सफाई कार्य शुरू किया गया है।

अभियान में नगर के अन्य जागरूक नागरिक भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। सफाई कार्य में घाट किनारे जमा वर्षों पुरानी मिट्टी, पत्थर, गाद एवं काँच के टुकड़ों को हटाया जा रहा है जिससे नदी में स्नान एवं अन्य धार्मिक गतिविधियाँ सुरक्षित ढंग से संपन्न हो सकें।

पार्षद ने नगरवासियों से अपील की कि वे नदी में किसी प्रकार का कचरा न डालें तथा इस जन-जागरूकता अभियान में सहयोग करें।

नगरवासियों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के नियमित सफाई अभियान भविष्य में भी जारी रहने चाहिए।

नल-जल योजना से लाखों लीटर पानी बर्बाद, ऑपरेटर की लापरवाही उजागर

हरिभूमि न्यूज, डिंडौरी ।

समनापुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कोकोमटा में नल-जल योजना से निर्मित टैंक से रविवार को दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक लगातार पानी बहता रहा। इस लापरवाही के कारण आसपास के खेतों में पानी भर गया ।

ग्रामीणों ने बताया कि नल-जल योजना में कार्यरत ऑपरेटर की लापरवाही से यह स्थिति अक्सर उत्पन्न होती है। टंकी की क्षमता से अधिक पानी भरने के कारण वह ओवरफ्लो होकर व्यर्थ बहता रहता है। ऑपरेटर मोटर चालू कर समय पर बंद नहीं करता, जिससे प्रतिदिन लाखों लीटर पानी बेकार चला जाता है।वहीं दूसरी ओर शासन जल संरक्षण के लिए करोड़ों रुपए खर्च कर विभिन्न योजनाएं चला रहा है। बांध और डेम का निर्माण कर पानी रोकने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन नल-जल योजना की इस तरह की लापरवाह व्यवस्था से शासन की मंशा को झटका लग रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि इस स्थिति की कई बार शिकायत संबंधित जिम्मेदारों से की गई है, लेकिन अब तक कोई सुधार नहीं हुआ है। इस अनदेखी से क्षेत्र में पानी संकट की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।ग्रामीणों की मांग है कि नल-जल योजना में सुधार लाया जाए और जिम्मेदार कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाए।

नींबू और पारिजात के पौधों से सजेगी पंकेश्वर धाम वाटिका

हर रविवार पौधारोपण कर रहे बरगांव के युवा, बन रहे क्षेत्र में प्रेरणा

डिंडौरी । विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर डिण्डौरी जिले के शहपुरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम बरगांव स्थित पंकेश्वर धाम वाटिका में युवाओं ने एक प्रेरणादायी पहल करते हुए पौधारोपण महाअभियान चलाया। इस दौरान नींबू और पारिजात के पौधे रोपे गए।

युवाओं ने कहा कि आज पर्यावरण को बचाना हम सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है। लगातार बढ़ते प्रदूषण और वनों की कटाई के कारण आज हर व्यक्ति को इस दिशा में छोटे-छोटे कदम उठाने की आवश्यकता है। इसी सोच के साथ युवाओं की यह टीम बीते तीन-चार वर्षों से हर रविवार और अन्य शुभ अवसरों पर नियमित रूप से पौधारोपण करती आ रही है।

खास बात यह है कि ये युवा केवल पौधे लगाकर रुक नहीं जाते, बल्कि उनकी समुचित देखभाल, सिंचाई एवं संरक्षण का जिम्मा भी स्वयं उठाते हैं। ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा और हरियाली से भरपूर वातावरण मिल सके।

इस मौके पर युवाओं ने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि हर व्यक्ति को साल में कम से कम एक पौधा जरूर लगाना चाहिए और उसका संरक्षण करना चाहिए। विश्व पर्यावरण दिवस जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर

यह जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। पौधारोपण कार्यक्रम में समिति के सदस्य शिवचरन साहू, राजेश साहू, राजेश तिवारी, केशव साहू, ओम गौतम, प्रदीप महापात्र समेत बड़ी संख्या में युवा और ग्रामवासी उपस्थित रहे। समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बन रहे इन युवाओं के इस प्रयास की क्षेत्र में सराहना हो रही है।

रात के अंधेरे में बदमाशों ने कर्मचारी बंधक बनाकर चोरी करके ले गए ट्रांसफार्मर

सुरक्षा कर्मी सोते रहे, प्रबंधन की कार्यशैली पर उठ रहे हैं सवाल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

जिले का कोतमा क्षेत्र कोयला उत्पादन के लिए नहीं, डकैती और लापरवाही के लिए जाना जा रहा है यहां अब सिर्फ खनन नहीं हो रहा, बल्कि व्यवस्था का कब्रिस्तान भी तैयार हो चुका है जहां पुलिस का लॉ एंड ऑर्डर दम तोड़ रहा है और प्रबंधन का जमीर पहले ही मर चुका है। बीती रात की वारदात ने साबित कर दिया कि इस क्षेत्र में अपराधी राजा हैं और कर्मचारी उनके सामने निरीह प्रजा एसईसीएल के पंखा घर में तैनात राममनोहर, जो सिर्फ ड्यूटी निभा रहा था, उसकी किस्मत में ऐसा मंजर लिखा था जो एक आम आदमी की कल्पना से परे है रात के सन्नाटे में अचानक 15-16 बदमाश ऐसे घुसे जैसे उन्हें किसी सुरक्षा की कोई परवाह ही नहीं चारों ओर से घेरकर कर्मचारी को पटक दिया, मोबाइल छीना और कोठरी में बंद कर दिया, ये कोई चोरी नहीं थी, ये थी पूरी प्लानिंग के साथ की गई डकैती थी। राममनोहर पूरी रात उस कोठरी में बंद रहा, ना खाना, ना पानी, ना मदद और उस दौरान बाहर अपराधी ट्रांसफॉर्मर तक उखाड़ ले गए सरकारी संपत्ति लुट गई, सिस्टम लुटता रहा, और पुलिस प्रशासन कुछ नही कर पाई। सुबह जब कर्मचारी किसी तरह बाहर निकला, तो नजारा ऐसा था जैसे किसी युद्ध के बाद का मैदान, सामान बिखरा पड़ा, ट्रांसफॉर्मर गायब हो चुका था।

पुलिस ने घटना के बाद वही पुराना राग अलापा "जांच चल रही है", "जल्द कार्रवाई होगी, "अज्ञात लोगों की तलाश है" लेकिन सवाल यह है कि जब अपराधी योजनाबद्ध तरीके से घुसते हैं, कर्मचारियों को बंधक बनाते हैं, और घंटों लूट मचाते हैं,

युवा समाजसेवी सोहेल खान उर्फ आशु ने किया रक्तदान, बचाई बुजुर्ग की जान

हरिभूमि न्यूज, डिंडौरी ।

शहपुरा के एक निजी अस्पताल में भर्ती खून की कमी से जूझ रहे एक बुजुर्ग मरीज के लिए युवा समाजसेवी सोहेल खान उर्फ आशु ने समय पर रक्तदान कर उसकी जान बचाने का सराहनीय कार्य किया। बुजुर्ग को एबी पॉजिटिव ब्लड की सख्त जरूरत थी। अस्पताल प्रबंधन ने सोशल मीडिया के माध्यम से इसकी जानकारी साझा की थी।

जैसे ही यह जानकारी समाजसेवी आशु खान को मिली, वे बिना देर किए अस्पताल पहुंचे। मरीज का हालचाल जानने के बाद उन्होंने एक यूनिट ब्लड डोनेट किया। रक्तदान के इस मानवीय कार्य से बुजुर्ग मरीज की जान बचाई जा सकी।रक्तदान के बाद आशु खान ने कहा, "हम सभी को समय-समय पर रक्तदान अवश्य करना चाहिए। इससे किसी ज़रूरतमंद की जान बचाई जा सकती है। रक्तदान करने से किसी तरह की कमजोरी नहीं आती, बल्कि इससे हमारा रक्त ताजा होता है।"

उल्लेखनीय है कि आशु खान पूर्व में भी कई बार रक्तदान कर चुके हैं। उनकी इस पहल की शहर में सराहना हो रही है।रक्तदान के दौरान अस्पताल प्रबंधन के वैभव खरे, अखिल गुप्ता, देवदूत रक्तदान परिवार के संस्थापक कैलाश सोनी समेत कई लोग मौजूद रहे।

जिले मे फैल रही नशीली गोली व दवाइयों की महक

बिना पर्ची बिक रही दवाइयां, जिम्मेदार विभाग बेपरवाह

मुनाफे के लिए युवाओं को बना रहे नशेड़ी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

जिले मे महंगे शराब की जगह पर सिरप और गोलियों का उपयोग आम हो चला है। आदतन नशा करने वाले युवाओं को मेडिकल संचालक भी बिना पर्ची और चिकित्सक के परामर्श के बगैर ही अपने मुनाफे को ध्यान में रखकर ऐसी दवाईयां धड़ल्ले से बेच रहे हैं। चिकित्सकों का मानना है कि जिन दवाओं का उपयोग चिकित्सा क्षेत्र में भी बहुत ही सोच समझकर किया जाता है उसका इस्तेमाल आसानी से किया जाना अपने हाथों से मौत को आमंत्रित किए जाने के समान है। पुलिस और खाद्य एवं औषधि विभाग ने मेडिकल दुकानों की जांच कर ऐसी दवाईयों का जखीरा बरामद नहीं कर सका, जिसका उपयोग युवा वर्ग नशे के लिए करने लगे हैं। जिले की हवाओं में नशीली गोलियां व दवाइयों की धीमी मौत की महक कुछ ज्यादा ही आ रही है। जिम्मेदार जानकर भी अंजान बन रहे हैं। जिले में इस समय युवा पीढ़ी खतरनाक तरह से नशे में लिप्त है। माता पिता अपने बच्चों को पालने पोसने में एवं शिक्षा के मामले में किसी भी प्रकार की कोई कसर नहीं छोड़ते क्योंकि उन्हें अपने बच्चों से बहुत आशाएं रहती हैं और एक बड़ी आशा के साथ अपना तन मन व धन न्यौछावर कर अपने बच्चों के भविष्य को बनाने के लिए समर्पित कर देते हैं। नशाखोरों ने बदबूदार शराब से निजात पाने का आसान विकल्प गोलियों और सिरप के तौर पर खोज लिया है। खांसी के लिए कोरेक्स और बेनाड्रिल नाम की दवाईयों का उपयोग किया जाता है लेकिन चिकित्सक के बिना परामर्श के इन दवाईयों का वितरण भी प्रतिबंधित है। चिकित्सकों के मुताबिक इन सिरप में अल्कोहल की मात्रा होती है और कफ को काटने के लिए सिरप में अल्कोहल का मिश्रण किया जाता है, जिसके चलते ही उम्र के लिहाज से सिरप की मात्रा बताई जाती है पर इन सारी बातों को दरकिनार करते हुए युवा वर्ग न केवल युवक बल्कि युवतियों में भी नशे की आदत बढ़ते जा रही है।

इन दवाओं को ले रहे युवा

चिकित्सकों के मुताबिक नाइट्रोवेट, विलियम 10, डाइजेपाम, एल्प्राजोलम, एल्जोलाम, विलीयम 5, पेक्सम, काम्पोस, मारफिन इन्सुलिन और कई ऐसी दवाईयां है, जिन्हें विक्रय तभी किया जाता है, जब कोई चिकित्सक उसके परामर्श दे, लेकिन यहां किसी भी मेडिकल स्टोर्स में बिना डॉक्टर्स की पर्ची से मिल जाता है। इसके अलावा शहर के साथ- साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी नशे और नींद के लिए सीरप जैसे कोरेक्स, फैंसिडिल, फेनार्गन, बेनाड्रिल, टोसेक्स आदि का उपयोग भी तेजी से बढ़ रहा है। इसके अलावा महानगरों की तर्ज पर स्टेशनरी दुकान में बिकने वाला व्हाईटनर और पंक्चर बनाने वाला साल्यूशन आदि का उपयोग भी धड़ल्ले से नशे के लिए किया जा रहा है। एलप्रेक्स ट्राइका, एटीवान, लोराजीपाम, रिवोट्रील क्लोनाजीपाम ऐसी दवाएं हैं, जिनका उपयोग नशे के लिए किया जाने लगा है। इन दवाओं को ज्यादातर नींद न आना, दर्द और तनाव को दूर करने वाले मरीज को दिया जाता है। लोग इन दवाओं को अपनी सहूलियत के लिए तो लेते हैं, साथ ही इनका प्रचार-प्रसार करने से भी पीछे नहीं हटते। जिससे इनका सेवन करने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है।

फोर्टविन इंजेक्शन भी ले रहे

नशे के लिए फोर्टविन इंजेक्शन का इस्तेमाल करने की बात भी सामने आई है। यह इंजेक्शन डॉक्टर मरीजों का दर्द ठीक करने के लिए उपयोग करते हैं। इस दर्द निवारक इंजेक्शन का उपयोग गलत तरीके से किया जा रहा है। बिना डॉक्टर के लिखे यह दवा किसी को भी उपलब्ध नहीं कराई जा सकती। हालांकि इस नियम का शायद ही कहीं पालन होता है। कभी भी इस तरह की दवाई आसानी से दवा दुकानों से मिल जाती है।

खबर संक्षेप

माइनिंग कंपनी द्वारा रोपे गए पोधे

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस विश्व पर्यावरण दिवस पर जिले भर मे विविध आयोजन किए गए एवं जगह - जगह वृक्षारोपण किया गया। इसी क्रम में विंध्यवासिनी माइनिंग वर्क एल एल पी द्वारा विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण किया गया। कंपनी से प्राप्त जानकारी के अनुसार पर्यावरण को बचाए रखने के उद्देश्य से लगभग 700 से अधिक पोधे रोपे गए। उक्त मौके पर बड़ी संख्या मे कंपनी के कर्मचारी व स्थानीयजन उपस्थित रहे।

गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति का किसानों को मिला लाभ

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विद्युत वितरण केंद्र सिहोरा में मूंग की फसल हेतु किसानों को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति प्रदान की जा रही है। यह विभाग के समर्पण और निरंतर प्रयासों का परिणाम है। इसके चलते इस वर्ष मूंग के रिकार्ड उत्पादन की संभावना प्रबल है, जो क्षेत्र के किसानों की समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देगा। सिहोरा वितरण केंद्र प्रभारी भूपाल सिंह ऊईके ने सभी विद्युत उपभोक्ताओं से अपने विद्युत बिलों की राशि समय पर भुगतान करने की अपील की है। समय पर भुगतान से विद्युत आपूर्ति और सेवाओं को और भी बेहतर बनाया जा सकेगा।

शहनाईयों की गूंज थमी 165 दिन बाद अगहन में फिर शुरू होंगे विवाह

तेंदूखेड़ा । हिन्दू परम्परा के अनुसार ग्रीष्म कालीन वैवाहिक लग्न मुहूर्त 8 जून की भांवर के साथ विवाह कार्यों पर विराम लग गया है।विवाहोत्सव में बजने वाले बाजे गाजे और शहनाईयों की ध्वनि अब वर्षाकाल के चातुर्मास के बाद ही सुनाई देगी। हमारे क्षेत्रीय विद्वान पौरोहित्य कर्मकाण्ड स्नातक आचार्य चतुष्टय वेदाचार्य पुराणाचार्य व्याकरण एवं ज्योतिषाचार्य पंडित प्रमोद पचौरी ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा 11 जून को गुरु के अस्त होने के कारण विवाह आदि कार्य बन्द हो जायेंगे। तीन दिन पूर्व गुरु के बार्धक्य दोष के कारण 8जून का विवाह मुहूर्त ग्रीष्म कालीन विवाह मुहूर्तों का अंतिम मुहूर्त है। हरिशयन के चार माह बाद ही विवाह प्रारम्भ होते हैं।इस बर्ष लगभग 165 दिनों के बाद फिर अगहन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा दिनांक 21 नवम्वर से फिर विवाह शुरू होंगे।

एन एच 45 पर अज्ञात बाहन दो मवेशियों को किया काल कल्वित

तेंदूखेड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 45 जबलपुर भोपाल सड़क मार्ग पर आये दिन घटनाएं दुर्घटना घटित होना आम बात हो गई है। वहीं मुख्य सड़क मार्ग पर मवेशियों की धमाचौकड़ी और बाहनों से टकराकर उनकी मौत होना या घायल अवस्था में पड़े रहना आम बात हो गई है। शनिवार की रात्रि में जबलपुर भोपाल सड़क मार्ग पर नटराज के पास अज्ञात बाहन दो मवेशियों को टक्कर मारकर रफुचक्कर हो गया। जिसमें एक मवेशी की घटना स्थल पर ही मौत हो गई दूसरी गंभीर रूप से घायल भी काल के गाल में समा गई। चूंकि इस तरह की यह कोई पहली घटना नहीं सुरक्षा को लेकर 1033 बाहन सेवा हमेशा नदारत रहने के साथ एन एच पर लगी विद्युत आपूर्ति हमेशा बंद रहने के कारण सामने बैठे मवेशी दिख नहीं पाते हैं। और तेज रफ्तार में चलने वाले बाहन मवेशियों को रौंदकर चलते बनते हैं।

अनदेखी: मेडिकल वेस्टेज को आहार बना रहे पशु

स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार नही ले रहे संज्ञान

प्रशासन की अनदेखी पड़ सकती है महंगी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले वासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं दिए जाने के लेकर सरकार द्वारा हरसंभव प्रयास किया जा रहा है लेकिन प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा व्यवस्थाओं में सुधार को लेकर कोई रूचि नही दिखाई जाती है। जिससे शासकीय चिकित्सलयों की व्यवस्थाएं शासन के मापदंड के अनुसार नही हो पाती और लोगों को बेहतर सुविधाएं देने का वादा सरकार पूरा नही कर पाती है और लोग सरकार को कोसते रहते है। प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के कारण जिला चिकित्सालय की व्यवस्था सुधरने का नाम नहीं ले रही है। जिला चिकित्सालय मे आए दिन लोगों शासन की सेवाओं के लिये परेशान होते

नजर आते है जिसकी शिकायत लोगों द्वारा अनेकों बार की जा चुकी है उसके बाद भी व्यवस्थाओं में कोई व्यापक सुधार नही हो सका और ना ही जिम्मेदार कर्मचारियों की कार्य प्रणाली में कोई अंतर हुआ है ऐसी ही लापरवाही गत दिवस की सामने आई।

मेडिकल वेस्टेज बन रहा पशु आहार

सरकार द्वारा जिले के लोगों को बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने को लेकर अनेको प्रयास किये जा रहे है। अस्पताल को साफ स्वच्छ रखने के लिये निजी कंपनी को ठेका दिया। वही अस्पताल से निकलने वाले कचरे को सावधानी पूर्वक भंडारण व नष्ट किये जाने के लिए भी बेहतर प्रबंध किया गया है लेकिन जिम्मेदारों की मिलीभगत के कारण अस्पताल से निकलने वाले कचरे को एक स्थान पर डंप किया जा रहा है वही उसे सुरक्षित नहीं किया जा रहा है। अस्पताल परिषर मे घूमने वाले आवारा पशु मेडिकल वेस्टेज को अपना आहार बना रहे है जबकि शासन द्वारा अस्पताल मे पशुओं को प्रवेश रोकने तथा सुरक्षा व्यवस्था के लिये सुरक्षा गार्ड तैनात किये गये है परन्तु उसका कोई लाभ लोगो को नही मिल रहा है।

फैल सकती है बीमारी

अस्पताल मे आने वाले मरीजों के उपयोग किये गये विविध प्रकार की समाग्री को सुरक्षित स्थान पर सावधानी पूर्वक डंप किया जाना है तथा उक्त मेडिकल वेस्टेज को आवारा पशु व लोगो को पहुंच से दूर रखने के लिये निर्देश भी दिये गय है परन्तु प्रशासन के जिम्मेदारों की अनदेखी के कारण सब खुले मे पड़ा हुआ है जिसे आवारा मवेशी खाते हुये नजर आ रहे है जिससे बीमारी और फैलने के आसर बढ़ रहे है। उक्त समस्या जिला चिकित्साल मे लंबे समय से बनी हुई हे जिस ओर प्रशासन के जिम्मेदार तथा सफाई कंपनी के ठेकेदार द्वारा कोइ ध्यान नही दिया जा रहा है और ना ही कोई ठोस कार्रवाई की जा रही है। जबकि उक्त वेस्टेज को सुरक्षित रूप से नष्ट करने का कार्य संबंधित सफाई ठेकेदार का है।

ठोस कार्रवाई करे प्रशासन

जिला चिकित्सालय मे व्याप्त अनियमितता की जांच कर प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों को ठोस कार्रवाई की जानी चाहिए जिससे ऐसे गंभीर मामलों मे कर्मचारियों द्वारा लापरवाही ना बरती जाए। अस्पताल से निकलने वाले कचरे मे विविध प्रकार की हानिकारक सामग्रियां होती है जिन्हे खाने से पशुओं को भी गंभीर बीमारी तथा अनेकों प्रकार की परेशानी बन सकती है। लेकिन स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार कर्मचारियों के कानों मे जूं तक नहीं रेंग रही है। जो कि गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। जिसे लेकर आये दिन जिला चिकित्सालय चर्चा मे बना रहता है।

इनका कहना है

उक्त संबंध मे आपके द्वारा जानकारी दी गई है में इसकी जांच कराता हूं।
डॉ. श्याम सिंह ठाकुर सीएमएचओ

पौधारोपण कर मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर

विगत दिवस शासकीय कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरहटा तथा शासकीय हाईस्कूल खापा शेढ़ में संकुल प्राचार्य एस के बक्सी के मार्गदर्शन में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। आयोजन इको क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत हुआ। इस वर्ष संयुक्त राष्ट्रसंघ ने पर्यावरण दिवस की थीम एंडिंग प्लास्टिक पॉल्युशन ग्लोबली तय की है। इसी के आधार पर विद्यार्थियों को प्लास्टिक उन्मूलन और पौधारोपण के लिए प्रेरित किया गया। उन्हें पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई। इस मौके पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया और उसमें पर्यावरण दिवस संबंधी कर्मचारियों को जानकारी दी। सभी को शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर परिसर में शिक्षको एवं कर्मचारियों ने पौधे लगाए। इस मौके पर शिक्षकों ने कहा कि पौधे लगाना हमारी जीवन में बहुत जरूरी है। पौधे लगाने से पर्यावरण स्वच्छ रहता जैवविविधता बढ़ती है। पौधों से हमें आक्सीजन मिलती है जिसे हमारी जिंदगी आगे बढ़ती है। बरहटा में विद्यालय के समस्त शिक्षक गनी मोहम्मद, तरुवर पटेल, रोहित पटेल, आशुतोष नामदेव, अमित कहार, जेपी कोरी तथा खापा में ओंकार गोस्वामी, कुबेर पटेल आदि उपस्थित रहे।

संगीतमय श्रीरामकथा में सुनाया श्रीराम-भरत मिलाप प्रसंग

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

नौ दिवसीय संगीतमय श्रीरामकथा के सातवें दिन कथा वाचक पूज्य पंडित संतोष रामशंकर जी महाराज ने श्रीराम और भरत के बीच के प्रेम और समर्पण की कथा को विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि कैसे भरत ने अपने भाई श्रीराम के प्रति अपनी निष्ठा और प्रेम को प्रदर्शित किया। जब उन्हें ज्ञात हुआ कि, उनकी माता कैकयी की वजह से उनके ज्येष्ठ भ्राता श्रीराम को भाभी जानकी व अनुज लक्ष्मण के साथ 14 बरस के लिए वनवास को जाना पड़ा तब उन्होंने चित्रकूट जाकर श्रीराम से भेंट कर उन्हें वापस लाने का निश्चय किया। वन में अपने दोनों भाइयों व भाभी सीता से मिलकर उन्होंने उनसे वापस अयोध्या चलने का आग्रह किया लेकिन, पिता को दिए वचन की वजह से श्रीराम ने यह अनुरोध ठुकरा दिया तब भरत ने वनवास की अवधि के दौरान वनवासी की तरह जीवन बिताने और उनकी चरण पादुकाओं को अपने सिंहासन पर रखकर राज्य करने का संकल्प लिया। कथा वाचक ने भरत के चरित्र का वर्णन करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने अपने भाई के प्रति अपने प्रेम और समर्पण को दिखाया। भरत का चरित्र हमें सिखाता है कि सच्चा प्रेम और समर्पण क्या होता है और कैसे हमें अपने परिवार और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाना चाहिए। भरत ने अपने भाई श्रीराम के प्रति अपनी निष्ठा और प्रेम को प्रदर्शित किया, जो उनके चरित्र की सबसे बड़ी विशेषता है। संगीतमय श्रीरामकथा के आयोजक केवट परिवार ने कहा कि, यह आयोजन लोगों को भगवान श्रीराम की दिव्य कथा से जोड़ने और उन्हें जीवन के मूल्यों और सिद्धांतों को समझने में मदद करने के लिए किया गया है। यह कथा लोगों को श्रीराम के चरित्र और उनके जीवन के अनुभवों से सीखने का अवसर प्रदान करती है और उन्हें अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित करती है।

संदिग्ध हालत में घूमते हुए तीन लोगों को पकड़ा किया पुलिस के सुपुर्द

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बीती रात रेवा नगर कॉलोनी निवासियों द्वारा शनिवार - रविवार की दरमियानी रात तकरीबन 3 बजे संदिग्ध हालत में घूमते हुए तीन लोगों को पकड़कर कोतवाली थाना पुलिस को सौंपा है। इनमें एक अधेड़ उम्र का व्यक्ति छोटी वंशकार और दो नाबालिग (एक लड़का और एक लड़की) हैं।

रहवासियों के मुताबिक, तीनों ने पहले कॉलोनी में रेकी की कॉलोनी वासियों को इनकी हरकतें संदिग्ध लगीं। उन्होंने सतर्कता बरतते हुए निगरानी बढ़ा दी। जब तीनों को शक हुआ तो वे अलग-अलग दिशाओं में भागने लगे। स्थानीय लोगों ने पूरी कॉलोनी की तलाशी लेकर तीनों को पकड़ लिया। कोतवाली पुलिस ने तीनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है और उनके आपराधिक रिकॉर्ड की जांच भी की जा रही है।

कृषि वैज्ञानिकों द्वारा दी जा रही खेती में नई तकनीक की जानकारी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत किसानों को नरवाई प्रबंधन, नई तकनीक आदि की जानकारी देने लगातार जिले की विकासखंडों की ग्राम पंचायतों में पहुंचकर दे रहे हैं। इसी क्रम में 9 वें दिन 6 जून को विकासखंड करेली, चीचली व सांईखेड़ा की ग्राम पंचायतों में पहुंचे दलों ने किसानों से रूबरू चर्चा की और विभिन्न जानकारियों के बारे में अवगत कराया। अभियान के तहत करेली विकासखंड की ग्राम पंचायत करताज, कपूरी व कंधरापुर, विकासखंड चीचली की ग्राम पंचायत बारहाबड़ा, ग्वारी व इमलिया और सांईखेड़ा विकासखंड की ग्राम पंचायत पीपरपानी, टेकापार व पिपरियाकलां पहुंची। यहां किसानों को कृषि की उन्नत तकनीक, नरवाई प्रबंधन, नवाचार एवं अन्य तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही स्वाइल हेल्थ कार्ड, खेत तालाब योजना, बायोगैस तथा अन्य शासकीय योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, डॉ. विजय सिंह सूर्यवंशी, डॉ. रश्मि ठाकुर, श्रीमती रूचि शर्मा, गन्ना अनुसंधान केन्द्र बोहानी के वैज्ञानिक डॉ. बीके शर्मा, डॉ. आशुतोष शर्मा, कृषि विभाग व आत्मा परियोजना, एलाइड विभागों के अधिकारी- कर्मचारी और कृषक मौजूद थे।

त्रिमूर्ति क्लब का काव्य समारोह संपन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस ऑपरेशन सिंदूर पर सेना के शौर्य के सम्मान में हाउसिंग बोर्ड कालोनी, शिव साईं मंदिर परिसर में काव्य समारोह आचार्य पंडित भैयाराम लहरिया के सानिध्य, डॉ अनंत दुबे के मुख्य आतिथ्य, सुनील कोठारी की अध्यक्षता एवं गणेश कुमार चतुर्वेदी, सी बी शर्मा, महेश त्रिपाठी, बाबी मिश्रा, अशोक त्रिपाठी के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ । क्लब की अध्यक्ष श्रीमती ज्योति तिवारी ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि भारतीय सेना ने अपने कुशल युद्ध प्रबंधन द्वारा देश का मस्तक ऊंचा कर किया है। सिंदूरी काव्य समारोह का शुभारंभ कृष्णकांत चौबे की सरस्वती वंदना से किया गया। गणेश कुमार सोनी प्राध्यापक ने पढ़ा - वो शब्द मैं कहाँ से ढूंढ़ कर लाऊं, जिन शब्दों से तुम्हारे प्रेम को गढ़ सकूं। उस प्रेम को गढ़ सकूं । हास्य कवि सुनील तन्हा, कवि डॉ. शंकर सहर्ष , बुंदेली गीतकार महेंद्र मोती, कवि ध्यान सिंह कौरव आदि कवियों ने काव्यपाठ किया। कवियों एवं श्रोताओं का आभार प्रदर्शन त्रिमूर्ति क्लब की अध्यक्ष श्रीमती ज्योति तिवारी द्वारा किया गया ।कार्यक्रम को सफल बनाने में ए के खरे ,डी डी गोस्वामी,यू एस उपाध्याय, अनिल राय, एसके चतुर्वेदी, अशोक वर्मा आदि की उपस्थिति रही।

तेंदूखेड़ा के एक मुस्लिम परिवार ने देवेन्द्र सेन जितेन्द्र अग्रवाल के साथ क्रूरतापूर्वक मारपीट की

तेंदूखेड़ा में खूनी संघर्ष आरोपी फरार

तेंदूखेड़ा

रविवार के अल सुबह तेंदूखेड़ा के एक मुस्लिम परिवार ने देवेन्द्र सेन जितेन्द्र अग्रवाल के साथ क्रूरता पूर्वक मारपीट की घटना को अंजाम देकर आरोपी फरार हो गए।जिसे लेकर नगर में रोष पूर्ण वातावरण बना हुआ है। घटना के संबंध में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ढिलवार के समीप मोहन जाटव के साथ जावैद उर्फ गोलू बाबा का किसी विषय को लेकर वाद विवाद हो गया था। जिसका बीच वरकाव देवेन्द्र सेन जितेन्द्र अग्रवाल द्वारा किया गया था।बीच बरकाव को लेकर देवेन्द्र और जितेन्द्र के साथ भी मारपीट की गई।जिसकी शिकायत पुलिस थाने में पीड़ित पक्ष के द्वारा कराई गई थी।इसी बीच आरोपी पक्ष ने अपने अन्य परिजनों को बुलाकर देवेन्द्र सेन के घर जाकर मिलकर बेहरमी से पिटाई कर दी। देवेन्द्र सेन को गंभीर चोटें आई हैं। प्राथमिक उपचार के बाद उसे नरसिंहपुर रिफर किया गया। पुलिस ने आरोपी बुद्धु भाईजान आशिद जावेद उर्फ गोलू तथा आखिव पर बी एन एस एस की धारा 118-1 115-2 296 333 351-3 तथा 3(5) के तहत मामला पंजीबद्ध करते हुए आरोपियों की तलाश जारी कर दी है। घटना का वीडियो जिसने भी देखा उसके रोंगटे खड़े हो गए जिस क्रूरता पूर्वक मारपीट की जा रही है उससे संपूर्ण नगर में रोष बना हुआ है।गोरतलब रहे उक्त आरोपियों द्वारा तेंदूखेड़ा क्षेत्र में मवेशियों की गाड़ियों को ट्रकों में भरकर कत्ल खाने भेजे जाने का काम किया जाता है और रात रात भर मुख्य सड़क मार्गों पर घूमकर मवेशियों के बाहन निकलने तक चौकसी की जाती है।सहजपुर सड़क मार्ग के बीच भी अपना एक ढावा नुमा टपरिया बनाकर विभिन्न घटनाओं को अंजाम दिया जाता है।नगर एवं आस पास ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने मांग की है कि तत्काल प्रभाव से उक्त आरोपियों को पकड़ कर उचित दंडात्मक कार्यवाही की जाये। अन्यथा लोग इनके बढ़ते हौसले को दवाने सड़क पर उतरने मजबूर हो जायेंगे।